

ओ बाबा श्याम पलका थारी खोलो जी भजन लिरिक्स



ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी,
इक बार मुखड़े से बोलो जी,
इक बार मुखड़े से बोलो जी,
ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी।bd।

तर्ज - झूम जाता है मेरा दिल।

भगत दुखी थाने नींदइली आवे,
भक्ता रा भिणी थाने गाँव बतावे,
शरण तिहारी पलका खोलो जी,
ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी।bd।

देर करा पथ थारी भी जासी,
दीनानाथ दुनिया हासी उडासी,
काई छ विचार कुछ तो बोलो जी,
ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी।bd।

लाज बचाने वाले लाज बचाले,
पीछो ना छोड़ूँ चाहे कितनो सताले,
सेवक टाबर थारो भोलो जी,
ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी।bd।

आलूसिंह जी ने श्रृंगार सजावे,
केसर चन्दन थारे इतर चढ़ावे,
हिवड़े में अमृत घोलो जी,
ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी।bd।



ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी,
इक बार मुखड़े से बोलो जी,
इक बार मुखड़े से बोलो जी,
ओ बाबा श्याम,
पलका थारी खोलो जी।

Singer – Shyam Singh Ji Chouhan
